

क्रमांक 134-ज(II)-83/11111.—श्री बृज लाल, पुत्र श्री जैकिशन, गांव बालरोड, तहसील दादरी, ज़िला भिवानी, की दिनांक 17 सितम्बर, 1980 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की द्वारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री बृज लाल को मुलिंग 300 रुपये वाखिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2147-ज(I)-80/42531, दिनांक 4 दिसम्बर, 1980, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती हरबाई के नाम रवी, 1981 से 300 रुपये वाखिक की दर से सनद में दी गयी शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 333-ज(II)-83/11117.—श्री चन्द्र सिंह, पुत्र श्री सुख राम, गांव आकोदा, तहसील व ज़िला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 29 जनवरी, 1980 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की द्वारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री चन्द्र सिंह को मुलिंग 150 रुपये वाखिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 15732-जे.-एन.-III-66/18003, दिनांक 18 अगस्त, 1966 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती माना, के नाम खरीफ, 1980 से 300 रुपये वाखिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

शुद्धि-पत्र

दिनांक 5 अप्रैल, 1983

क्रमांक 375-ज-(II)-83/11494.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना क्रमांक 1987-ज-(II)-82/2094, दिनांक 18 जनवरी, 1983 जो हरियाणा सरकार के राजपत्र में दिनांक 1 मार्च, 1983 को प्रकाशित हुई है, की तीसरी लाइन में श्रीमती धार्पा, विधवा श्री चन्द्रगी राम, गांव अख्यारपुर तहसील दादरी, ज़िला भिवानी, की वजाये “श्रीमती धार्पा, विधवा श्री चन्द्रगी राम गांव अख्यारपुर, तहसील दादरी, ज़िला भिवानी” पढ़ा जाए।

टी. आर. तूली,
अधर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।

DEVELOPMENT AND PANCHAYATS DEPARTMENT

The 11th April, 1983

No. E-P-E-83/77.—In exercise of the powers conferred by subsections (1) and (2) of section 4 and section 5 of the Punjab Gram Panchayat Act, 1952 (Punjab Act 4 of 1953), and all other powers enabling him in this behalf, and in supersession of all the previous notifications issued in this behalf, the Governor of Haryana hereby declares the village or group of villages specified in column 2 of the Schedule given below to be Sabha Area and establishes a Gram Panchayat for this Sabha Area by the name specified against in column 5 of the said schedule, which shall consist of such number of Panches, including Sarpanch, as is specified against the Gram Panchayat in column 6 thereof out of which the number of Panches belonging to the Scheduled Castes shall be mentioned in column 7 of the said Schedule:—

SCHEME

Sr. No.	Name(s) of village(s) constituting Sabha Area	Tehsil	District	Name of Gram Panchayat	No. of panches includ- ing Sarpanch	No. of panches belong- ing to Scheduled Castes
1	2	3	4	5	6	7
190	Shahbajpur Khalsa Padniawas	Rewari	Narnaul	Shahbajpur Khalsa Padniawas	6	1
190-A		Do	Do		6	1

J. D. GUPTA,

Commissioner & Secretary to Government, Haryana,
Development and Panchayats Department.